भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

10.12.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1637 का उत्तर

मिशन रफ़्तार

1637. श्री सी. एन. अन्नादुरई:
श्री नवसकनी के.:
श्री जी. सेल्वम:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि मिशन रफ़्तार के अंतर्गत, गत दशक के दौरान अवसंरचना के निरंतर उन्नयन के कारण माल और मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की औसत गति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) तमिलनाडु में उन रेलवे खंडों का ब्यौरा क्या है, जहाँ गति क्षमता को बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा और 130 किमी प्रति घंटा कर दिया गया है;

(ग) तमिलनाडु में नई लाइनें, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण/मल्टी-ट्रैकिंग कार्य सहित चल रही रेलवे परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है तथा अब तक कुल कितना व्यय हुआ है और कितनी प्रगति हुई है;

(घ) क्या सरकार ने 2025-26 से तमिलनाडु में ट्रेनों की गति को और बढ़ाने तथा रेलवे की अवसंरचना के आधुनिकीकरण के लिए कोई विशिष्ट उपाय प्रस्तावित किए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा तमिलनाडु में मिशन रफ़्तार और संबंधित अवसंरचना कार्यक्रमों के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के समय पर कार्यान्वयन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल गाड़ियों की गति बढ़ाना और निरंतर प्रयास एक सतत प्रक्रिया है, जो रेलपथ, सिगनल प्रणाली, ओएचई के उन्नयन, उच्च शक्ति वाले रेल इंजनों, आधुनिक सवारी डिब्बों आदि पर निर्भर करता है।

इस मिशन को प्राप्त करने के लिए मध्यावधि और दीर्घकालिक योजनाओं में अवसंरचनात्मक सुधार अर्थात तीसरी लाइन/चौथी लाइन का निर्माण, बाईपास की व्यवस्था, रेल फ्लाईओवर, गाड़ियों में पर्याप्त अश्वशक्ति के इंजन की व्यवस्था, पारंपरिक रेलइंजन चालित गाड़ियों के स्थान पर एमईएमयू चलाना, सिगनल प्रणाली को अपग्रेड करना, 2x25 किलोवॉट कर्षण प्रणाली आदि शामिल हैं।

भारतीय रेल में गति क्षमता बढ़ाने के लिए रेलपथों का उन्नयन और सुधार का कार्य 2014 से बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। रेलपथ के उन्नयन के उपायों में 60 किलोग्राम की पटरियाँ, चौड़े आधार वाले कंक्रीट स्लीपर, मोटे वेब स्विच, लंबे रेल पैनल, एच-बीम स्लीपर, आधुनिक रेलपथ नवीनीकरण और अनुरक्षण मशीनें आदि शामिल हैं।

उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप, रेल नेटवर्क की गति क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। 2014 की तुलना में 2025 के दौरान भारतीय रेल के संपूर्ण रेल नेटवर्क की गति क्षमता का ब्यौरा निम्नलिखित है:

खंडीय गति (कि.मी. प्रति घंटा)	2014		2025	
	रेलपथ कि.मी.	%	रेलपथ कि.मी.	%
130 और उससे अधिक	5,036	6.3	23,010	21.8

110-130	26,409	33.3	60,276	57.5
< 110	47,897	60.4	21,936	20.8
कुल	79,342	100	1,05,672	100

तमिलनाडु में ऐसे खंड जिनकी गति क्षमता 130 किमी/घंटा है, निम्नलिखित हैं:

- चेन्नई - अरंबक्कम (चेन्नई - गूडूर मार्ग)
- चेन्नई - अरक्कोनम - कटपाडी - जोलारपेट्टई
- अरक्कोनम - पोनपाडि (अरक्कोनम - रेनिगुंटा मार्ग)
- जोलारपेट्टई - पाचुर (जोलारपेट्टई - बेंगलुरु)

<u>तमिलनाडु</u>

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में काफी वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाएं और संरक्षा संबंधी कार्यों के लिए बजट आवंटन इस प्रकार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	6,626 करोड़ रुपए (7.5 गुना से अधिक)

तमिलनाडु में सम्पर्कता सुधार के लिए, 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 22,808 करोड़ रुपए की लागत से कुल 1,700 किलोमीटर लंबाई की 15 रेल परियोजनाएं (9 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 03 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। उनका सारांश निम्नलिखित है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	09	812	24	1,337
आमान परिवर्तन	03	748	604	3471
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	03	140	37	2783
कुल	15	1,700	665	7,591

तमिलनाडु राज्य में रेल परियोजनाएँ भारतीय रेल के दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का जोन-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पलानी-पोलाची आमान परिवर्तन (121 किलोमीटर)	610
2	पोलाची-पालघाट आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	350
3	पोलाची-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 किलोमीटर)	400
4	क्विलोन-तिरुनेलवेली-तिरुचेंदुर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1122
5	मयिलादुतुरई-थिरुवरुर-कराइक्कुडी आमान परिवर्तन (187 किलोमीटर)	1338
6	मदुरै-बोडियाकन्नूर आमान परिवर्तन (90 किलोमीटर)	593
7	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	670
8	तिरुवल्लुर-अराक्कोनम चौथी लाइन (27 किलोमीटर)	83
9	चेन्नई सेंट्रल-बेसिन ब्रिज दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	31
10	तंजावुर-पोनमलाई दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	370
11	विल्लुपुरम-दिंडुक्कल दोहरीकरण (273 किलोमीटर)	2000
12	चेन्नई बीच-कोरुक्कुपेट तीसरी लाइन (5 किलोमीटर)	168
13	चेन्नई बीच-अट्टीपट्टू चौथी लाइन (22 किलोमीटर)	293
14	ओमलुर-मेत्तूरडैम कहीं-कहीं दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	327
15	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम और तांबरम-चेंगलपट्टू - तीसरी लाइन (133 किलोमीटर)	1122
16	सेलम-मैग्नेसाइट जंक्शन-ओमालुर दोहरीकरण	115

	(11 किलोमीटर)	
17	मदुरै - मनियाची-तूतीकोरिन दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	1891
18	मनियाची-नागरकोइल दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1752
19	चेन्नई बीच- चेन्नई एग्मोर दोहरीकरण (4 किलोमीटर)	272
20	कारैक्काल - पेरलम नई लाइन (23 किलोमीटर)	373
21	कारैक्काल पोर्ट से उत्तरी छोर बंदरगाह तक सम्पर्कता (1 किलोमीटर)	18

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएँ जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	टिंडीवनम-नगरी नई लाइन (184 किलोमीटर)	3631
2	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	359
3	नागपट्टिनम - तिरुतुरईपुंडी नई लाइन (43 किलोमीटर)	742
4	तिरूवनंतपुरम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	3785
5	अराक्कोनम यार्ड तीसरी और चौथी लाइन (6 किलोमीटर)	98

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 2,493 कि.मी. लंबाई वाले 28 सर्वेक्षण (05 नई लाइन और 23 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4,326 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	1052 हेक्टेयर (24%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3274 हेक्टेयर (76%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ मुख्य परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	तिंडीवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	276	33	243
2.	अत्तिपट्टू-पुत्तुर नई लाइन (88 किलोमीटर)	189	0	189
3.	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	92	45	47
4.	मन्नारगुडी-पट्टुकोट्टई नई लाइन (41 किलोमीटर)	196	0	196
5.	तंजावूर-पट्टुकोट्टई नई लाइन (52 किलोमीटर)	152	0	152

इसके अलावा, रामेश्वरम - धनुष्कोडि नई लाइन (18 किमी) को 734 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत किया गया था। इस परियोजना का शिलान्यास 01.03.2019 को किया गया था। बहरहाल, परियोजना शुरू नहीं की गई है क्योंकि तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं किया गया है।

भारत सरकार इस परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, तथापि इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अनुमानित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदत्त प्रथम एवं अंतिम छोर तक संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करने की संबद्धता
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का आवर्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा की गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- अतिलंघी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

<u>स्टेशन पुनर्विकास</u>

भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण से स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन करना सम्मिलित है। मास्टर प्लानिंग में शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वॉटर बूथ में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, बहुविध एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली

- **प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूनिर्माण आदि का प्रावधान**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से और यथा व्यवहार्य टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण भी शामिल है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 77 स्टेशन तमिलनाडु राज्य में हैं। तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अरक्कोणम् जंक्शन, अरियालुर, अवदी, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नै बीच, चेन्नै एग्मोर, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, क्रोमपेट, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, दिंडिक्कल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी टर्मिनस, कराइक्कुडी जं., करूर जंक्शन, काटपाडी, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलाडुतुरै जं., मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नामक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेरम्बूर,

		पोदनूर जंक्शन, पोलाची जं., पोलुर, पुदुक्कोट्टई, पुराची थलाईवर डॉ. एम.जी.रामचंद्रन सेंट्रल, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन. तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादरिप्पुलयूर, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, तिरुसुलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, तूतीकोरिन, उदगमंडलम, वेल्लूर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधनगर, वृद्धाचलम जंक्शन

तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अब तक, इस योजना के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य के 17 स्टेशनों (बॉम्मिडी, चिदंबरम, करैक्कुडी जंक्शन, कुलितुरई, मनापराई, मन्नारगुडी, मोरप्पुर, पोल्लाची जंक्शन, पोलुर, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविलिपुतुर, सेंट थॉमस माउंट, तिरुवरूर जंक्शन, तिरुवन्नमलाई, वृड्डाचलम जंक्शन) के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। इसके अलावा, 56 स्टेशनों पर कार्य शुरू हो गया है और 4 स्टेशनों के लिए मास्टर प्लानिंग की जा रही है। कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं और उपर्युक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति इस प्रकार है:

- तिरूप्पादिरिप्पुलियूर स्टेशन: पार्किंग क्षेत्र और संकेतों का काम पूरा हो चुका है। प्रवेश द्वार पोर्टिको, प्रतीक्षालय में सुधार, प्लेटफॉर्म की सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, शौचालय, ट्रेन संकेत बोर्ड, पहुँच मार्ग और पार्किंग क्षेत्र के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **वेल्लोर कैंट स्टेशन: परिचलन क्षेत्र, बुकिंग कार्यालय, नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, टर्मिनल भवन में सुधार, प्लेटफ़ॉर्म सतह, प्रतीक्षालय, शौचालय, नया प्राचीर, साइनबोर्ड, सवारी डिब्बा संकेत बोर्ड, मानक रैंप, दिव्यांगजन पार्किंग, कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, सुगम्य पथ, सुलभ मार्ग, परिदृश्य सुधार और स्टेशन प्रकाश व्यवस्था के कार्य पूरे हो चुके हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**
- **अरियालुर स्टेशन: प्रवेश मंडप सहित टर्मिनल भवन, कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, वेटिंग लॉबी में सुधार, परिचलन क्षेत्र व प्लेटफ़ॉर्म सतह में सुधार, प्रतीक्षालय में सुधार, नया शौचालय, मानक रैंप, सवारी डिब्बा संकेत बोर्ड, दिव्यांगजन पार्किंग, कम ऊँचाई वाले टिकट बूथ, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, मार्गदर्शी स्पर्शनीय पथ, सुगम्य पथ, प्रकाश व्यवस्था पैदल पार पुल, नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर और सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड का कार्य पूरा हो चुका है। नए 6 मीटर पैदल पार पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।**
- **रामेश्वरम स्टेशन: ईस्ट/नॉर्थ टर्मिनल भवन, प्रस्थान प्रांगण, आगमन प्रांगण, आवासीय टॉवर, सब-स्टेशन भवन, डीसैलिनेशन प्लांट और सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। ईस्ट टर्मिनल भवन के चिनाई कार्य, नॉर्थ टर्मिनल भवन, प्रस्थान प्रांगण, आगमन प्रांगण, आवासीय टॉवर, प्लेटफॉर्म सुधार जिसमें प्लेटफॉर्म शेल्टर शामिल है और मौजूदा प्रतीक्षालय का नवीनीकरण शुरू कर दिया गया है।**

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकतानुसार पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/ आधुनिकीकरण के लिए कार्यों की स्वीकृति और क्रियान्वयन के समय निम्न श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

मास्टर प्लानिंग एक पुनरावृत्तिमूलक प्रक्रिया है जिसमें अनुकूलन की आवश्यकता होती है और इस समय पर ऐसे अनुकूलन के लिए समय सीमा और अन्य विवरण निर्दिष्ट नहीं किए जा सकते।

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को आम तौर पर योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के तहत वित्त पोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के तहत आवंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार या राज्यवार। तमिलनाडु राज्य दो जोनों, अर्थात् दक्षिण रेलवे और दक्षिण-पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है। पिछले चार वर्षों और चालू वर्ष के लिए ₹ 5,449 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जबकि पिछले चार वर्षों और चालू वर्ष (अक्टूबर 2025 तक) के दौरान ₹ 4,439 करोड़ का व्यय हुआ है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत: इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****